वैज्ञानिक संगोष्ठी के विषय

- कृषि यंत्रीकरण में आधुनिक प्रगति एवं सटीक कृषि उपकरणों का विकास
- कृषि में इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) आधारित स्मार्ट प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) एवं मशीन लर्निंग द्वारा कृषि प्रबंधन का उन्नयन
- रोबोटिक्स एवं स्वचालित यंत्रों का उपयोग: बुवाई से कटाई तक
- कृषि उत्पाद प्रसंस्करण एवं फसलोत्तर प्रौद्योगिकी में नवाचार
- सिंचाई एवं जल निकासी अभियांत्रिकी में उन्नत तकनीकी समाधान
- सतत कृषि एवं कृषि व्यवसाय के लिए समन्वित तकनीकी हस्तक्षेप

वैज्ञानिक संगोष्ठी का उद्देश्य

वैज्ञानिक संगोष्ठी का उद्देश्य कृषि 4.0 के युग में भारतीय कृषि प्रणाली को उन्नत और सशक्त बनाना है। संगोष्ठी में कृषि यंत्रीकरण की आधुनिक प्रगति, सटीक कृषि उपकरणों का विकास, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स तथा स्वचालित यंत्रों के उपयोग पर विशेष चर्चा होगी। साथ ही फसलोत्तर प्रौद्योगिकी, सिंचाई एवं निकास अभियांत्रिकी, तथा सतत् कृषि और कृषि व्यवसाय के लिए समन्वित तकनीकी हस्तक्षेप पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

आयोजन समिति

अध्यक्ष

डॉ. एस. पी. सिंह

परियोजना समन्वयक (एम. ए. एच.)

उपाध्यक्ष

डॉ. करण सिंह

प्रधान वैज्ञानिक

आयोजन सचिव

डॉ. अभिजीत खड़तकर

वरिष्ठ वैज्ञानिक

सह-आयोजन सचिव

डॉ. विजय कुमार

वैज्ञानिक

सदस्य

डॉ. स्वप्नजा जाधव, वैज्ञानिक

श्री राकेश कुमार, उप-निदेशक (राजभाषा)

हिंदी पखवाड़ा समारोह 2025

राष्ट्रीय हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी

एग्रीकल्चर 4.0 के युग में कृषि यंत्रीकरण: सतत् फसल उत्पादन हेतु नवोन्मेषी एवं भविष्योन्मुखी प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारतीय कृषि प्रणाली का सशक्तिकरण

(ऑनलाइन प्रस्तुति)

18 सितम्बर, 2025

भाकृअनुप
ICAR

भाकृअनुप-केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान

नबी बाग, बैरसिया रोड, भोपाल-462038

संस्थान के बारे में

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद – केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान (आईसीएआर-सीआईएई), भोपाल की स्थापना वर्ष 1976 में की गई थी। यह संस्थान कृषि यंत्रीकरण तथा संसाधन प्रबंधन से संबंधित अनुसंधान एवं विकास का एक प्रमुख केंद्र है। संस्थान का मुख्य उद्देश्य कृषि उत्पादकता को यंत्रीकरण, ऊर्जा दक्षता, फसलोत्तर प्रसंस्करण, सिंचाई प्रबंधन तथा कृषि व्यवसाय के प्रोत्साहन के माध्यम से बढ़ाना है। संस्थान द्वारा 300 से अधिक प्रौद्योगिकियों का विकास किया गया है, जिनमें रोबोटिक्स, ड्रोन, आईओटी आधारित प्रणालियाँ तथा सटीक कृषि उपकरण शामिल हैं, जिनसे किसानों एवं उद्योग को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हुआ है। संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों में दूरसंचालित निराई यंत्र, रोबोटिक हार्वेस्टर तथा ड्रोन आधारित छिड़काव प्रणाली शामिल हैं। अपनी पाँच प्रभागों, विविध अनुसंधान परियोजनाओं तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से आईसीएआर-सीआईएई क्षमता निर्माण, उद्यमिता विकास और सतत् कृषि को बढ़ावा देता है।

प्रस्तुति हेतु निर्देश

- प्रतिभागी वैज्ञानिक संगोष्ठी में अपने शोध कार्य की प्रस्तुति मौखिक व्याख्यान के माध्यम से कर सकते हैं।
- मौखिक व्याख्यान (प्रस्तुति) के लिए प्रत्येक प्रतिभागी को कुल 10 मिनट का समय दिया जाएगा, जिसमें 07 मिनट प्रस्तुति तथा 03 मिनट प्रश्नोत्तर / संवाद हेतु निर्धारित होंगे।
- प्रत्येक मौखिक प्रस्तुति के लिए अधिकतम 8 स्लाइड प्रस्तुत करने की अनुमति होगी।

- ❖ **श्रेष्ठ प्रस्तुतियों हेतु प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।**
- ❖ **सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता का प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा।**

पंजीकरण

कृषि यंत्रीकरण, सटीक कृषि उपकरण, फसलोत्तर प्रौद्योगिकी, सिंचाई एवं निकास अभियांत्रिकी तथा सतत कृषि व्यवसाय हेतु तकनीकी हस्तक्षेप पर शोध पत्र आमंत्रित हैं। विशेष रूप से कृषि अभियांत्रिकी और नवीन प्रौद्योगिकियों का कृषि में अनुप्रयोग इस संगोष्ठी के प्रमुख विषय हैं। इच्छुक प्रतिभागी अपने शोध सारांश निर्धारित प्रारूप में नीचे दिए गए ईमेल पर भेजें या QR कोड स्कैन कर पंजीकरण करें।

ciaehindipakhwada2025@gmail.com

विस्तृत सूचना हेतु संपर्क करें

डॉ. अभिजीत खड़तकर, वरिष्ठ वैज्ञानिक
+91-9039921746

डॉ. विजय कुमार, वैज्ञानिक
+91-8791419529

डॉ. स्वप्नजा जाधव, वैज्ञानिक
+91-9641717441

महत्त्वपूर्ण तिथियाँ

शोध सार प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
12.09.2025
प्रस्तुतीकरण हेतु चयन की सूचना
15.09.2025
ऑनलाइन संगोष्ठी की तिथि
18.09.2025

संगोष्ठी में सहभागिता पूर्णतः निःशुल्क है।

लक्षित प्रतिभागी

इस वैज्ञानिक संगोष्ठी में कृषि वैज्ञानिक, शिक्षक, कृषि प्रसार अधिकारी, कृषि यंत्र निर्माता, स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थी आदि सम्मिलित हो सकते हैं। ऑनलाइन भागीदारी हेतु कार्यक्रम की ज़ूम लिंक, उपयोगकर्ता नाम एवं पासवर्ड प्रतिभागियों को व्हाट्सऐप अथवा ईमेल के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएंगे।